# Hindi Course B - 085

Space for writing Question Number

## खण्ड क

प्र०-1) (i) (C) विश्व स्तर पर होने वाली भोजन की बर्बाद्दी

(ii) (A) पर्यावरण को

(iii) (B) कथन और कारण दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) भोजन की बर्बाद्दी आने वाली पीढ़ियों को नुकसान पहुँचा सकती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैसों की पहुँच के कारण जलवायु परिवर्तन हो सकता है। इसे कम करने के लिए नवाचार टेक्नोलॉजी व बुनियाद्दी ढाँचे के संसाधनों में निवेश की आवश्यकता है। बर्बाद्द भोजन को कूड़ा खाद्द के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

(v) भोजन की बर्बाद्दी का तात्पर्य उस भोजन से है जिसे खाया नहीं जाता और फेंक दिया जाता है। इसका कारण अनेक लोगों द्वारा अधिक मात्रा में भोजन खरीद्दना और समाप्ति तिथि के बाद्द

Space for writing Question Number

खोले बिना ही फेंक देना है।

प्र०-2) (i) (B) कार्य-कारण के संबंध में भूल होने पर

(ii) (C) I और II दोनों सही हैं।

(iii) (D) कथन और कारण दोनों सही है तथा सही व्याख्या है।

(iv) क्रोध को अंधा कहा गया है क्योंकि क्रोध करने वाला न यह देखता है कि उसने कुछ किया है या नहीं और न इस बात का ध्यान करता है कि क्रोध के वेग में वे जो करेगा उसका परिणाम क्या होगा।

(v) जब क्रोध इतना उग्र हो जाए कि मन में दुखदाता की शक्ति के रूप और परिणाम के निश्चय, दया, भय आदि और भावों के संचार तथा उचित-अनुचित के विचार के लिए भी जगह न रहे, तो क्रोध अनर्थकारी रूप धारण कर लेता है।

4

Space for writing Question Number

खण्ड ख

प्र०-3)

(क) संज्ञा पदबंध - वह अपने तोतों

(ख) विशेषण पदबंध - चमड़े के चौड़े पंजों वाले

(घ) क्रिया पदबंध

(ङ) भेद - क्रियाविशेषण पदबंध
कारण - यह क्रियाविशेषण पदबंध है क्योंकि पदों का यह समूह क्रिया की विशेषता (स्थान) का बोध करवा रहा है। यह स्थानवाचक क्रियाविशेषण पदबंध का उदाहरण है।

प्र०-4)

(क) मिश्र वाक्य

(ख) जो गाँव के लोग थे, वेह्ह भी तताँरा के विरोध में आवाजें उठाने लगे।

(ग) मैं भाई साहब का अदब करते हुए उनकी नज़र बचाकर पतंग उड़ाता था।

(घ) संयुक्त वाक्य को साधारण वाक्य में रूपांतरित करने के लिए संयुक्त वाक्यों में से योजक का लोप करते हुए दोनों वाक्यों को जोड़ कर एक ऐसा वाक्य बनाया जाता है जिसमें एक ही उद्देश्य और विधेय हो।
उदाहरण :- संयुक्त वाक्य - वह आया और वह सो गया।
साधारण वाक्य - वह आते ही सो गया।

Space for writing Question Number

प्र०-5)

(ख) समस्तपद - घनश्याम
भेद - कर्मधारय समास

(ग) 'चौराहा' समास 'द्विगु समास' का उदाहरण है क्योंकि इसमें पूर्व पद संख्यावाची है तथा उत्तर पद प्रधान है। 'चौराहा' का विग्रह 'चार राहों का समूह' होता है।

(घ) बहुव्रीहि समास में दो गौण पद मिलकर किसी अन्य (विशेष) अर्थ का बोध करवाते हैं। उदाहरण - पीतांबर
द्विगु समास में पहला पद संख्या का बोध कराता है तथा उत्तर पद प्रधान होता है। उदाहरण - पंजाब

(ङ) उदाहरण - विद्यालय
उत्तर पद - आलय

(क) घुड़दौड़ (तत्पुरुष समास) अतिरिक्त

प्र०-6

(क) मुहावरा - हाँथ-पाँव फूल जाना
वाक्य - अपने सामने साँप देखकर मेरे तो हाथ-पाँव फूल गए।

(ग) राहुल के लिए गणित की परीक्षा में पास होना पहाड़ होने के समान था।
पहाड़ होना - कठिन कार्य

(घ) काम तमाम

(ङ) मुहावरा - दाँतों पसीना आना
वाक्य - जब बाहर निकलकर नौकरी के लिए धक्के खाने पड़ेंगे तब दाँतों पसीना आ जाएगा।

Space for writing Question Number

## खण्ड ग

प्र०-1)

(i) (B) पर्वतों का अदृश्य होना

(ii) (A) बादलों के असल में ऐसा नहीं हुआ है, यह बस कल्पना है

(iii) (B) केवल झरनों की ध्वनि शेष रह गई है

(iv) (B) आकाश द्वारा धरती पर मूसलाधार वर्षा करना

(v) (B) इंद्र के बादलों रूपी यान पर विचरण करने को

(vi) (A) पावस ऋतु में प्रकृति के पल-पल परिवर्तित रूप को

Space for writing
Question Number

प्र०-8)

(क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिक की बलिदान देते समय अन्य देशवासियों से अभिलाषा है कि वे उसकी कुर्बानी को व्यर्थ नहीं जाने देंगे तथा उसके मृत्यु को गले लगाने के पश्चात देश की आन, बान और शान पर कोई आँच नहीं आने देंगे। वे भी देश के मान को बचाने के लिए मर-मिटने को तैयार रहेंगे।

(ग) अपने ज़माने में बड़े-बड़े सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ाने वाली तोप आज कंपनी बाग में दर्शकों को दिखाने के लिए एक प्रदर्शन की एक वस्तु बनकर रह गई है। बच्चे उसपर घुड़सवारी करते हैं तथा चिड़ियों ने भी अपना घोंसला बना लिया है। तोप की सफाई भी वर्ष में केवल दो बार की जाती है।

(घ) 'आत्मत्राण' कविता को पढ़ने के बाद, हमें उसके कवि की अनेक विशेषताओं को अपने चरित्र में उतारना चाहिए। हमें भी ईश्वर से सुख-संपत्ति न माँगकर निर्भयता का वरदान माँगना चाहिए तथा सुख के दिनों में भी सिर झुकाकर ईश्वर को ही याद करना चाहिए। मैं इन विशेषताओं को अपने चरित्र में समायोजित करना चाहती हूँ क्योंकि ऐसा करने से मेरा पुरुषार्थ और आत्मबल कभी कम नहीं होगा।

प्र०-9)

(i) (B) छोटे भाई को जीवन में अनुभव का महत्व बताने के लिए

(ii) (B) घर के प्रबंधन में

(iii) (C) भारतीय शिक्षण संस्थानों से अधिक विदेशी संस्थानों को महत्व देने पर

(iv) (D) वे अपने अधिकार और कर्तव्य दोनों के प्रति सचेत थे

(v) (C) कथन और कारण दोनों सही है तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

प्र०-10

(क) यह बात सत्य है कि हमारे पूर्वजों के कारण ही हम आज़ादी की हवा में साँस ले रहे हैं। 'डायरी का एक पन्ना' पाठ से हमें पता चलता है कि अंग्रेज़ी सरकार भारतीयों पर अनेक अत्याचार करती थी। यहाँ तक की स्त्रियों को भी मारा जाता था। 26 जनवरी 1931 को जब भारतीयों ने स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय किया तब भी अंग्रेज़ी सरकार ने लाठी चार्ज किया परंतु कलकत्ता वासियों ने हार नहीं मानी। इन्हीं वीर भारतीयों ने हमें आज़ादी दिलाने में योगदान दिया है।

(ख) मेरे विचार में वर-वधू का एक ही गाँव का होना बिल्कुल भी आवश्यक नहीं है। हमें प्रेम को किसी भी प्रकार के बंधन में बाँधकर नहीं रखना चाहिए। रूढ़ियों का बदलते समय के साथ टूट जाना ही ठीक है, नहीं तो वे मानव के विकास को रोक देती हैं। अतः 'तताँरा-वामीरो' के गाँव की परंपरा गलत है।

Space for writing Question Number

(घ) निदा फाज़ली की माँ ~~नर्म~~ कोमल स्वभाव की थी। एक बार उनसे गलती से कबूतर का एक अंडा टूट गया था। इस कारण उन्होंने पूरे दिन का रोज़ा रखा और ईश्वर से बार-बार क्षमा माँगती रही। दूसरी ओर लेखक की पत्नी ने कबूतरों से परेशान होकर खिड़की पर जाली लगा दी और उनका आश्रय नष्ट कर दिया। इससे पता चलता है कि उसके दिल में जीव-जंतुओं के लिए प्रेम भाव नहीं था।

प्र०-11)
(क) टोपी शुक्ला एक भरे-पूरे परिवार का बालक था परंतु उसे अपने परिवार में अपनेपन का अभाव लगता था। इफ़्फ़न उसका सबसे प्रिय मित्र था। टोपी का जीवन उसके बिना अधूरा था। वह हर समय इफ़्फ़न के साथ ही रहना चाहता था। इफ़्फ़न के घर में उसका सबसे अधिक लगाव इफ़्फ़न की दादी से था। टोपी की दादी कट्टर हिंदू थी ~~परंतु~~ और वह उसे बहुत डाँटती थी। दूसरी ओर इफ़्फ़न की दादी उसे बहुत प्रेम करती

थी तथा कभी भी ऊँची आवाज़ में भी बात नहीं करती थी। इससे पता चलता है कि बच्चों को धर्म, जाति या उम्र से कोई फ़र्क नहीं पड़ता। वे तो बस प्रेम के भूखे होते हैं।

(ग) हरिहर काका एक निसंतान व्यक्ति थे। उनके पास पंद्रह बीघे ज़मीन और बहुत सारी संपत्ति थी। वे अपने भाइयों के साथ रहते थे। हरिहर काका ठाकुरबारी के महंत को भी जानते थे। आरंभ में उनके भाइयों और महंत जी ने काका की बहुत सेवा करी। परंतु वे उनकी सेवा ज़मीन के लालच में ही कर रहे थे। समय बीतने के साथ दोनों ने ही उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उनके भाइयों ने उन्हें मार-पीटा और महंत ने तो जबरन कागज़ों पर अँगूठा भी छपवा दिया। इन सब के बाद उनका जीवन से मोह भंग हो गया। वे अकेले रहने लगे। उनका रिश्तों पर से विश्वास उठ गया। वे पूरी तरह से मौन हो गए।

Space for writing Question Number

खण्ड घ

प्र०-12) ई-मेल

5

| | |
|---|---|
| प्रेषक (from) | vidyalayaprashan123@gmail.com |
| प्रेषिती (To) | abcvidyalaya123@gmail.com<br>CC (कार्बन कॉपी)<br>BCC (अप्रत्यक्ष कार्बन कॉपी) |
| विषय | विज्ञान विषय की प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु। |
| | महोदय<br>यह ई-मेल दसवीं व बारवहवी कक्षा के विद्यार्थियो को विज्ञान विषय की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाओं के संबंध में जानकारी देने हेतु है। यह परीक्षाएँ 5 मार्च 2025-10 मार्च 2025 तक सुबह 8 बजे से विद्यालय के कार्यालय में होंगी। सभी छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य है। यह परीक्षा में शुरुआत के दस पाठों में से प्रश्न पूँछे जाएँगे। परीक्षाओं के लिए शुभ कामनाएँ।<br>धन्यवाद<br>भवदीया<br>य र ल |

प्र०-(3)

# किशोरों में बढ़ती स्क्रीन लत

आज के युग में किशोरों में स्क्रीन की लत बढ़ती जा रही है। वे दिन भर मोबाइल या टी० वी० देखते रहते हैं। वे बाहर जाकर खेलना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते और पूरी दिन घर पर ही रहना चाहते हैं। इससे बहुत नुकसान होते हैं। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से आँखें खराब हो सकती हैं। इससे मोटापा भी बढ़ता है जो की अनेक प्रकार के रोगों का घर होता है। बच्चे अधिक समय तक घर में रहने के कारण अपने मन के विचारों को भी खुल के नहीं बोल पाते। माता-पिता को अपने बच्चे को इन सब हानियों से अवगत करवाना चाहिए। ऐसा न करना उनके भविष्य के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। किशोरों को दो घंटे से अधिक स्क्रीन के सामने बैठने से अवश्य रोकना चाहिए। उन्हें बाहर खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

"जन-जन तक संदेश पहुँचाना है
किशोरों में स्क्रीन की लत को कम कराना है।"

Space for writing Question Number

प्र-15 (ख)

अ.ब.स नगर
चैन्नई

दिनांक - 28 फरवरी 2025

संपादक महोदय
दैनिक जागरण
आदर्श नगर
चैन्नई

विषय- कोचिंग संस्थानों के दिनोंदिन बढ़ते माया-जाल के संबंध में।

महोदय
मैं आपके दैनिक समाचार-पत्र की पाठिका हूँ और आपके पत्र की सहायता से जनता का ध्यान कोचिंग संस्थानों के दिनोंदिन बढ़ते माया-जाल की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ।

आज के समय में कोचिंग संस्थानों का प्रचलन तेज़ी से बढ़

रहा है। यह कोचिंग संस्थान बच्चों को इतना अधिक आकर्षित करते हैं कि बच्चों को लगता है कि कोचिंग संस्थान के बिना वे अच्छे अंक प्राप्त कर ही नहीं सकते। वे बच्चों से बहुत फ़ीस भी लेते हैं और बच्चों पर अत्यंत बोझ भी डालते हैं जिसका बच्चों के ~~मानि~~ मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चों को इन संस्थानों की बातों में नहीं आना चाहिए।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप मेरे विचारों को अपने पत्र में अवश्य स्थान देंगे। मैं सदैव ही आपकी आभारी रहूँगी।

धन्यवाद

भवदीया

देवांशी

प्र०-15) सूचना लेखन

क·ख·ग· सोसाइटी, गाज़ियाबाद
सूचना

28-02-2025

स्वास्थ्य जाँच शिविर

सोसाइटी के सभी वृद्धजनों को सूचित किया जाता है कि 5 मार्च 2025 को सोसाइटी की ओर से सुबह 8 बजे से सोसाइटी के प्रांगण मे नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी से अनुरोध है कि आप समय से आकर अपनी जाँच करवा लें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो जाएँ।

दिनांक - 5 मार्च 2025
समय - सुबह 8 - 11 बजे तक
स्थान - सोसाइटी का प्रांगण

अनुपमा
सचिव

Space for writing Question Number

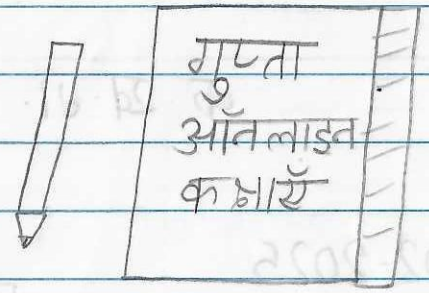

प्र० - 16)

# गुप्ता ऑनलाइन कक्षाएँ




विषय - गणित एवं विज्ञान
समय - शाम 5 - शाम 7 बजे तक
शुल्क - मात्र ₹ 2000 /-

अगर अच्छे अंकों को लाना है तो अपने बच्चों को यहीं से पढ़वाना है !!

कक्षा दस के छात्रों के लिए खुशखबरी !!

केवल रविवार की छुट्टी !

100/100

अन्य सूचनाओं के लिए 97195XXXXX पर संपर्क करें ।